SpellIndia
INDIA's No. 1
SPELLING BEE
Preparatory Study Material Provider
www.phonicsestore.com

ICSE ACADEMY
www.spellbeeacademy.com

Pati's

Solved Paper

for

ICSE

Class 10

HINDI

Pati's

ICSE ACADEMY: How to Prepare for ICSE Class 10 exams

https://www.spellbeeacademy.com/icse.html

How to Prepare for ICSE Class 10 exams : Free Resources

Please click on subject to proceed further.

We will keep adding resources here till "March 2026".

So, save this link, keep visiting and stay updated.

(Resources include : Syllabus, Past Year Papers, Specimen Papers, Competency based Questions, Books pdf downloadable, 350+ Term Papers / Prelim Papers of various schools - across subjects, etc.)

01 English Literature
02 English Language
03 Geography
04 History & Civics
05 Physics
06 Chemistry
07 Mathematics
08 Biology
09 Computer Applications
10 Physical Education
11 Hindi
12 Commercial Studies
13 Economics
14 Technical Drawing
15 Environmental Science
16 Home Science
17 Gujarati
18 Marathi
19 French

SCAN QR code to buy the book at amazon NOW.

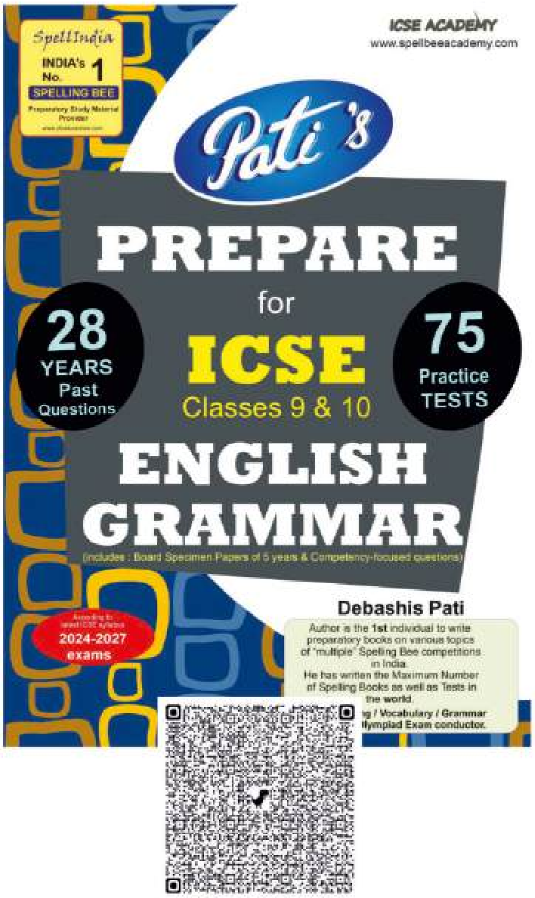

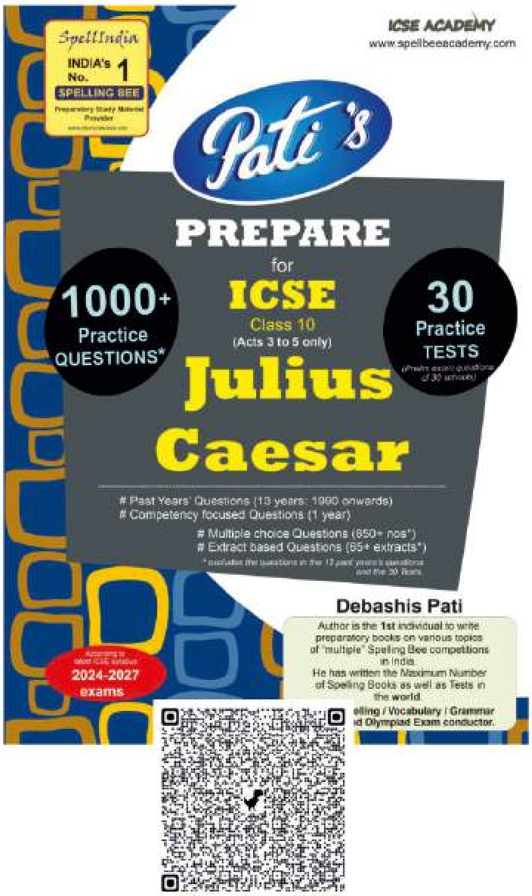

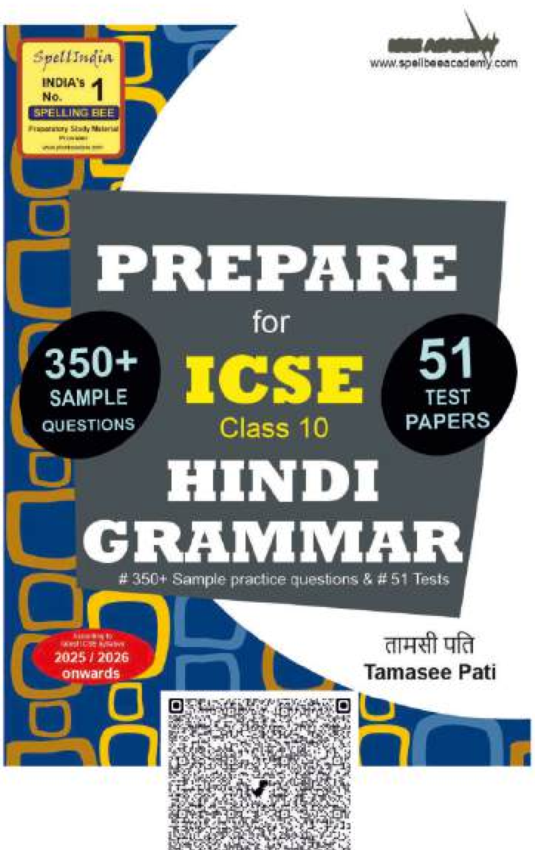

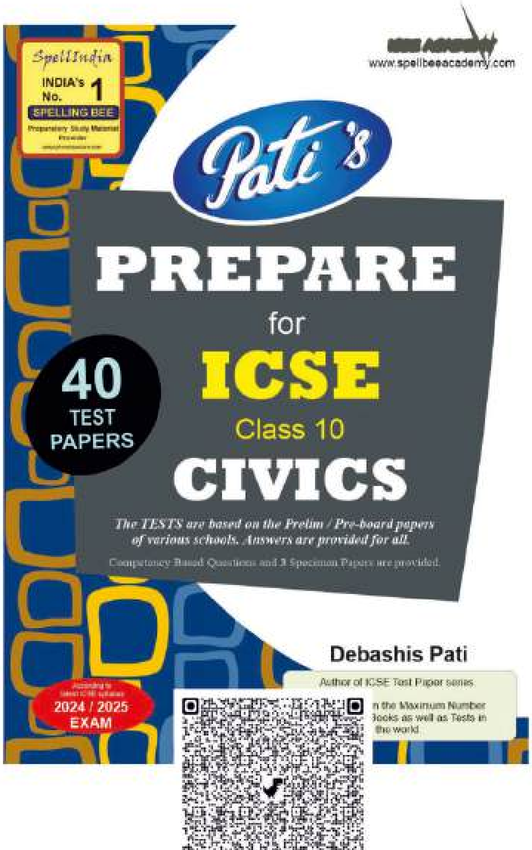

Pati's
ICSE ACADEMY

Scan QR code for Free Access to
500+ Prelim Papers across 20 subjects

ICSE ACADEMY

Prepare for ICSE CLASS 10
Hindi

Free Resources

SCAN QR CODE Now

ICSE ACADEMY

This solved paper

is of KISA -

Karnataka ICSE

Schools Association

ICSE ACADEMY

KARNATAKA ICSE SCHOOLS' ASSOCIATION

ICSE STD. X Preparatory Examination 2025

Subject: Hindi (Second Language)

Maximum Marks: 80   Time Allowed: Three Hours   Date: 15.01.2025

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first **15** minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two sections- **Section A & Section B**

Attempt all the questions from **Section A.**

Attempt **four** questions from Section **B,** answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any two other questions from the same books you have compulsorily chosen .

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

Section A (40 Marks)

Attempt **all** questions

Question 1.

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics: -

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **250 शब्दों में** संक्षिप्त लेख लिखिए- [15]

(i).वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं । अतः 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ' इस पर एक प्रस्ताव लिखिए ।

(ii) मन के हारे हार है मन के जीते जीत - इस लोकोक्ति को आधार बनाकर एक कहानी लिखिए या अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(iii) किसी एक ऐसी यात्रा का वर्णन कीजिए जिसमें आपको एक रात रेल्वे प्लेटफ़ार्म पर बितानी पडी ।

(iv) कलम की आत्मकथा

(v) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से हो ।

Question 1.	Marking Scheme	
भूमिका - ३	**मध्यभाग- १०**	**उपसंहार - २**
(i) वृक्ष हमारे जीवन का आधार , संरक्षण की आवश्यकता , शासन और प्रजा का कर्त्तव्य (ii) लोकोक्ति का अर्थ व अपने विचार , कहानी , कहानी का अंत लोकोक्ति से (iii) रेल्वे प्लेटफ़ार्म पर जाने की आवश्यकता क्यों पडी , किन कारणों से रात भर रुकना पडा , मन के भाव , रात में रेल्वे प्लेटफ़ार्म का वर्णन व अनुभव (iv) कलम किस प्रकार अस्तित्व में आयी होगी , स्वयं को एक कलम मानते हुए जीवन के खट्टे मीठे अनुभवों का वर्णन (v) चित्र वर्णन , लेख अथवा कहानी का विस्तार , उपसंहार		

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए । [7]

(i) आपके क्षेत्र में मलेरिया और डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है । इसकी रोकथाम के लिए नगर निगम के अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए ।

(ii) अपने दादाजी को पत्र लिखकर उन्हें आने वाली बोर्ड परीक्षाओं को लेकर आपकी तैयारियों की जानकारी दीजिए ।

(i) औपचारिक पत्र	(ii) अनौपचारिक पत्र
<u>**प्रारूप**</u> प्रेषक, नाम पता दिनांक- प्रति, विषय- महोदय, मूल विषय धन्यवाद भवदीय प्रेषक का नाम मूल विषय- मलेरिया और डेंगू के प्रकोप का कारण , सुझाव	<u>**प्रारूप**</u> प्रति नाम और पता दिनांक संबोधन अभिवादन मूल विषय उपसंहार मूल विषय - बोर्ड परीक्षा का , टाइम-टेबल , आप कितने घंटे पढ़ते हैं , स्वास्थ्य का ध्यान , तनाव आदि की चर्चा

Question 3.

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होना चाहिए।

एक बार स्वामी रामतीर्थ जापान गये थे। वे वहाँ पर रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे थे। यात्रा करते करते वे सभी किसी नगर में जाते तो कभी किसी अन्य नगर में। उन दिनों वे केवल फ़लों का आहार लेते थे। एक दिन की बात है। स्वामी रामतीर्थ जी अपने शिष्यों के साथ रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे थे। मार्ग में उन्हें भूख लग आई। अभी मंजिल बहुत दूर थी। उन्होंने देखा कि एक स्टेशन पर गाड़ी धीमी हो रही है। उन्होंने सोचा कि अब की बार गाड़ी रुकेगी तो फ़ल खरीदूँगा। गाड़ी सचमुच रुक गयी। वे इधर-उधर देखने लगे। सभी प्रकार की वस्तुएँ तथा भोज्य पदार्थ उपलब्ध थे ,परंतु कहीं पर भी फ़ल या फ़ल विक्रेता दिखाई नहीं दे रहा था। थक-हारकर उन्होंने अपने एक शिष्य से कहा कि वह थोड़ा पीछे जाकर फ़लों की खोज करे और यदि उपलब्ध हों ,तो कुछ फ़ल खरीदकर ले आए , परंतु शिष्य लौट आया और वह भी खाली हाथ।

स्वामी जी आगामी स्टेशन पर फ़ल खरीदने की बात सोचकर शिष्य सहित पुनः गाड़ी में सवार हो गये। सात स्टेशनों पर रुकी और सभी पर फ़लों की खोज निष्फ़ल हुई। तब स्वामी जी अपने शिष्य से कहा -"लगता है कि जापान में अच्छे फ़ल नहीं मिलते। फ़लों की दृष्टि से यह एक गरीब देश है।"

स्वामी जी के मुख से निकले ये वाक्य प्लेट्फ़ार्म पर खडे एक युवक ने सुन लिए। वह अपने पत्नी को गाड़ी में सवार कराने के लिए आया था। वह बिना बताए दौड़ा-दौड़ा गया और सबसे बढ़िया फ़लों की एक टोकरी भरवाकर ले आया। टोकरी स्वामी जी के आगे रखकर बोला - "लीजिए ! आपको ताजे फ़लों की आवश्यकता थी।"

स्वामी जी ने युवक के मुँह की ओर की ओर देखा। वह एक जापानी युवक था। स्वामी जी ने सोचा कि यह कोई फ़ल विक्रेता है। उन्होंने फ़ल ले लिए और जेब से रुपये निकालकर पूछा -" कितना दाम है इनका ? " जापानी युवक बोला -"इनका कोई दाम नहीं , ये आपके लिए मेरी ओर से भेंट स्वरूप हैं। कृपया स्वीकार कीजिए।" स्वामी जी ने पुनः दाम चुकाने की अपनी इच्छा जताते हुए कहा -"दाम तो आपको बताने ही होंगे। "

इस पर युवक ने कहा -" यदि आप इनका दाम चुकाना ही चाहते हैं , तो कृपया इतना कीजिए कि अपने देश लौटकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फ़ल नहीं। बस , इनका यही दाम होगा। " यह उत्तर सुनकर स्वामी जी उस जापानी युवक पर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसकी तथा जापान की प्रशंसा में कहा - " जिस देश का प्रत्येक नागरिक अपने देश के सम्मान का इतना ध्यान रखता है, वह देश वास्तव में बहुत महान है। "

i स्वामी रामतीर्थ कहाँ गए थे ? वहाँ उनका आहार क्या था ? [2]

उत्तर- स्वामी रामतीर्थ जापान गये थे। उन दिनों वे केवल फ़लाहार लेते थे।

ii स्वामी जी ने जापान के विषय में क्या टिप्पणी की और क्यों ? [2]

जापान में रेल से यात्रा के दौरान स्वामी जी को फ़लों की आवश्यकता पडीं। स्टेशन पर बहुत ढूंढने पर भी जब फ़ल न मिले तो स्वामी जी ने कहा-"लगता है कि जापान में अच्छे फ़ल नहीं मिलते। फ़लों की दृष्टि से यह एक

गरीब देश है ।"

iii युवक किसे छोड़ने स्टेशन आया था और उसने स्वामी जी को क्या दिया ? [2]

युवक अपनी पत्नी को छोड़ने आया था । उसने फ़लों से भरी एक टोकरी स्वामी जी को दी ।

iv युवक ने स्वामी जी से फ़लों का दाम किस प्रकार चुकाने के लिए कहा ? [2]

युवक ने कहा कि यदि स्वामी जी फ़लों के दाम चुकाना ही चाहते हैं तो अपने देश जाकर यह न कहें कि जापान में अच्छे फ़ल नहीं मिलते ।

v. उपर्युक्त गद्यांश से क्या संदेश मिलता है ? [2]

अपने देश के सम्मान का ध्यान रखना चाहिए । देश और उसके निवासी एक ही है अतः दोनों ही एक दूसरे के सम्मान के लिए उत्तरदायी हैं ।

Question 4.

Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए ।

(i) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प **श्रद्धा** शब्द का विशेषण रूप है ? [1]

(अ) कृपालु (आ) श्रद्धालु (इ) दर्शनीय (ई) रसीला

उत्तर- (आ) श्रद्धालु

(ii) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प **आस्तीन का साँप** मुहावरे का उचित अर्थ है ? [1]

(अ) कपटी मित्र (आ) बहुत प्यारा (इ) बदल जाना (ई) डराना

उत्तर-(अ) कपटी मित्र

(iii) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प **पक्षी** शब्द के पर्यायवाची शब्दों का है ? [1]

(अ) उपल ,अश्म (आ) विहग,शकुनि (इ) तनय ,आत्मज (ई) मधुर,नग

उत्तर- (आ) विहग,शकुनि

(iv) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प **'ढीठ'** शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है ? [1]

(अ) ढिठाई (आ) चतुराई (इ) गुरुत्व (ई) ठंडाई

उत्तर- (अ) ढिठाई

(v) **जिसकी तुलना न की जा सके** - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द क्या होगा ? [1]

(अ) अनंत (आ) अनिवार्य (इ) अतुलनीय (ई) असाध्य

उत्तर- (इ) अतुलनीय

(vi) वाह ! तुमने पुरस्कार जीता ।(दिए गए वाक्य का प्रकार पहचाने) [1]

(अ) प्रश्नवाचक (आ) इच्छावाचक (इ) विस्मयादिवाचक (ई) विधानवाचक

उत्तर- (इ) विस्मयादिवाचक

(vii) नौकर घर की सफ़ाई करता है ।

(कर्म वाच्य वाला विकल्प कौन सा होगा ?) [1]

(अ) नौकर ने घर साफ़ कर दिया । (आ) नौकर घर की सफ़ाई कर रहा है ।
(इ) नौकर के द्वारा घर की सफ़ाई की गयी । (ई) नौकर के द्वारा घर की सफ़ाई की जाती है ।
उत्तर- (ई) नौकर के द्वारा घर की सफ़ाई की जाती है ।

(viii) उसने घर आकर भोजन किया ।
(दिए गए वाक्य का संयुक्त वाक्य क्या है ?) [1]
(अ) वह घर आकर भोजन कर गया । (आ) वह घर आया और उसने भोजन किया ।
(इ) उसने घर आने के बाद भोजन किया । (ई) वह घर आयेगा तो भोजन करेगा ।
उत्तर- (आ) वह घर आया और उसने भोजन किया ।

Section B (40 Marks)

Questions from only two of the following textbooks are to be answered.

Attempt **four** questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions from the same books you have chosen.

साहित्य सागर -संक्षिप्त कहानियाँ

(Sahitya Sagar- Short Stories)

Question 5.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow:
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:
सामने वृक्षों का एक कुंज और कुआं देखकर सेठ ने विचार किया कि यहां थोड़ी देर रुक कर भोजन और विश्राम कर लेना चाहिए ।

[महायज्ञ का पुरस्कार- य़शपाल]

[Mahayagya ka puraskar -Yashapal]

१ सेठ जी कहाँ जा रहे थे और क्यों ? [2]
सेठ एक समय में अत्यंत धनी थे , लेकिन समय बदला और सेठ को निर्धनता का सामना करना पड़ा । यहाँ तक कि दो वक्त का भोजन मिलना भी मुश्किल हो गया । अतः सेठानी के सुझाव पर सेठ ने एक यज्ञ बेचने की बात सोची । सेठ जी कुंदनपुर के धन्ना सेठ के पास एक यज्ञ बेचने जा रहे थे ।
२ उन्हें विश्राम करने की आवश्यकता क्यों पडी ? उन्होंने कहाँ विश्राम किया ? [2]
सेठ पौ फ़टते ही कुंदनपुर की ओर निकले । दोपहर के समय जब धूप तेज हो गयी तब सेठ एक कुंज में विश्राम करने के उद्देश्य से रुके । वहाँ उन्होंने भोजन करने का निर्णय लिया ।
३ उनकी पोटली में क्या था ? क्या वे विश्राम कर पाए ? कारण सहित उत्तर लिखिए । [3]

उनकी पोटली में सेठानी द्वारा दी गयी चार रोटियाँ थीं । नहीं , वे विश्राम नहीं कर पाए । विश्राम और भोजन करने के उद्देश्य से जैसे ही सेठ ने पोटली खोली और रोटी खाने ही वाले थे कि उन्होंने पास ही एक मरणासन्न कुत्ते को देखा । उन्हें उस कुत्ते पर दया आ गयी । अपने हिस्से की चारों रोटियाँ एक-एक कर उस कुत्ते को खिला दी । और स्वयं केवल पानी पी कर वहाँ से चल दिये ।

४ महायज्ञ का पुरस्कार कहानी का उद्देश्य लिखिए । [3]

इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमें निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा दी है । लेखक कहते हैं कि स्वयं कष्ट सहकर दूसरों की सेवा करना ही सच्चा मानव धर्म है । प्राणी मात्र के प्रति करुणा और उदारता का भाव रख कर ही ईश्वर की कृपा प्राप्त की जा सकती है । जैसे इस कहानी में सेठ एक निस्सहाय प्राणी की सहायता निस्वार्थ भाव से करते हैं और ईश्वर की अनुकंपा प्राप्त करते हैं ।

Question 6.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यही तो तुम्हारा और मेरा मतभेद है । जीवन के लघुदीप को अनन्त की धारा में बहा देने का यह संकेत है । आह ! कितनी सुन्दर कल्पना ।"

[संदेह- जयशंकर प्रसाद]

[Sandeh - Jayashankar Prasad]

१ उपर्युक्त अवतरण का संदर्भ स्पष्ट कीजिए । [2]

उपर्युक्त कथन का वक्ता मोहन बाबू है और श्रोता उनकी पत्नी मनोरमा है । उनकी पत्नी ने गंगा में बहते हुए छोटे-छोटे दीपकों को गंगा की पूजा बताया । लेकिन , मोहन बाबू दीपकों को जीवन के लघुदीप बताते हैं जो अनन्त की धारा में विलीन हो जाना चाहते हैं ।

२ वक्ता और श्रोता इस समय कहाँ हैं ? वे वहाँ किसके साथ आए हैं ? [2]

वक्ता और श्रोता इस समय गंगा की सैर कर रहे हैं । वे रामनिहाल के साथ आए हैं । संध्या का सुहावना समय था ।

३ वक्ता ने अपने हृदय की वेदना को किन शब्दों में व्यक्त किया ? [3]

वक्ता को इस बात का दुख है कि लोगों ने उन्हें पागल समझ लिया है । उन्हें जीवन में सिर्फ़ धोखा मिला जिसके कारण वे विक्षिप्त हो गये हैं । उन्हें जीवन में अकपट प्यार की आवश्यकता थी जो उन्हें नहीं मिला । यहाँ तक कि उनकी पत्नी मनोरमा ने भी उनके साथ धोखा किया । किसी ने भी उनके मानसिक विप्लव में उनकी सहायता नहीं की ।

४ क्या मोहन बाबू का मनोरमा पर संदेह करना उचित था ? [3]

मोहन बाबू को अपनी पत्नी मनोरमा पर संदेह था कि वह ब्रजभूषण के साथ मिलकर उनके विरुद्ध कोई

षडयंत्र रच रही है। किंतु यह उनका भ्रम था, संदेह था। मनोरमा एक आदर्श पत्नी है जो मोहन बाबू की सहायता करना चाहती है और उन्हें ब्रजभूषण से बचाना चाहती है। अतः उस पर संदेह करना अनुचित था।

Question 7.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यह संसार है यार!" मैंने स्वार्थ की फ़िलासफ़ी सुनाई- "चलो पहले बिस्तर में गर्म हो लो, फ़िर किसी और की चिन्ता करना।" उदास होकर मित्र ने कहा-"स्वार्थ! जो कहो, लाचारी कहो, निठुराई कहो-या बेहयाई।"

[अपना-अपना भाग्य-जैनेन्द्र कुमार]

[Apna-Apna Bhagya-Jainendra Kumar]

१ "यह संसार है यार!" लेखक ने कब और किससे कहा ? इस कथन में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए। [2]

यह कथन लेखक अपने मित्र से कहते हैं। लेखक और उनके मित्र बालक को काम दिलाने के उद्देश्य से अपने वकील मित्र के पास ले जाते हैं। वकील मित्र बालक को काम पर रखने से इंकार कर देते हैं। न सुनकर बालक तेजी से होटल के बाहर निकल जाता है। बाहर भयानक शीत थी। लेखक के मित्र को उस बालक की चिंता होने लगती है क्योंकि उस बालक के पास शीत से बचने के लिए गर्म कपड़े नहीं थे। तब लेखक बडी लापरवाही से कहते हैं कि यह संसार है, यह इसी तरह चलता है। उनके कहने का आशय था कि किस-किस की जिम्मेदारी ली जा सकती है ? इसलिए बेहतर होगा कि वे जाकर आराम करें।

२ इस कथन के आधार पर लेखक को किस प्रकार का व्यक्ति कहा जा सकता है ? [2]

हम कह सकते हैं कि लेखक थोड़े लापरवाह और स्वार्थी हैं। वे केवल अपने बारे में सोचते हैं। किसी के सुख दुख से उन्हें कोई लेना देना नहीं है।

३ लेखक और उनके मित्र की लापरवाही का उस बालक पर क्या प्रभाव पडा ? [3]

लेखक और उनके मित्र की लापरवाही के कारण उस बालक को अपनी जान से हाथ धोना पडा। नैनीताल की भीषण शीत से बचने के लिए न तो उसके पास घर था न गर्म कपड़े थे। जब लेखक के वकील मित्र ने उसे काम देने से इंकार कर दिया तो वह बालक खुले आसमान के नीचे ही रात बिताने पर बाध्य हुआ। जहाँ उसकी मृत्यु हो गयी।

४ क्या बालक को बचाया जा सकता था ? ऐसी दशा में समाज का क्या कर्त्तव्य होना चाहिए ? [3]

बालक को निश्चित तौर पर बचाया जा सकता था। लेखक और उनके मित्र समाज के प्रबुद्ध वर्ग से हैं। वे यदि चाहते तो उस बालक को बचा सकते थे। रहने की जगह न सही उसे गर्म कपड़े और भोजन तो दिया जा सकता था। समाज में ऐसे बालकों की शिक्षा का प्रबंध किया जा सकता है।

साहित्य सागर -पद्य भाग

(Sahitya Sagar- Poems)

Question 8.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

जब तक मनुज-मनुज का यह
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा ।
उसे भूल वह फ़ँसा परस्पर
ही शंका में , भय में
लगा हुआ केवल अपने में
और भोग-संचय में ।

[स्वर्ग बना सकते हैं -रामधारी सिंह 'दिनकर']

[Swarg Bana Sakte Hain-Ramdhari Singh 'Dinkar']

1 'शमित न होगा कोलाहल' कवि का संकेत किस प्रकार के कोलाहल की ओर है ? यह कोलाहल किस प्रकार शांत हो सकता है ? [2]

कवि कहते हैं कि जब तक समाज में सभी को उचित न्याय नहीं मिलता , जब तक अधिकारों का न्यायपूर्ण बँटवारा नहीं होता , तब तक समाज में कोलाहल तथा अशांति समाप्त नहीं हो सकती । कोलाहल और संघर्ष कम करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रकृति से प्राप्त सभी उपहारों एवं वस्तुओं का सभी लोग मिल बाँटकर उपभोग करें । जब तक सभी का सुख भाग समान नहीं होगा , तब तक संघर्ष कम नहीं होगा ।

२ आज मानव के संघर्ष का मुख्य कारण क्या है ? कवि के इस संबंध में क्या विचार हैं ? [2]

आज मानव के संघर्ष का मुख्य कारण है कि सभी मनुष्यों को प्रकृति के सभी साधन समान रूप से उपलब्ध नहीं होते । कवि के अनुसार जब तक समाज में समानता न होगी तब तक संघर्ष की समाप्ति न होगी ।

३ कवि के अनुसार आज का मनुष्य कौन-सी बात भूल गया है तथा वह किस प्रवृत्ति में फ़ँस गया है ? [3]

आज का मनुष्य स्वार्थ सिद्धि में लिप्त होकर समाज में व्याप्त भेदभाव व अन्याय को दूर करने के प्रयास के बारे में सोचना भी भूल गया है । वह समाज में फ़ैले संघर्ष का कारण भी जानने की चेष्टा नहीं करता । वह शंका एवं भय के वातावरण में जीवन-यापन कर रहा है । इस प्रकार वह आत्मकेंद्रित बन कर केवल स्वयं के भोग-संचय में लगा हुआ है ।

४ ‘लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में ‘ - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [3]

मनुष्य स्वार्थी होकर अपने लिए ही जी रहा है तथा अपने लिए ही वस्तुओं का संचय कर रहा है । उसे केवल अपने सुख की चिंता है , उसे दूसरों के सुख और सुविधाओं की कोई चिंता नहीं है । इस प्रवृत्ति के के कारण समाज में संदेह तथा भय का वातावरण रहता है ।

Question 9. Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

ऐसो को उदार जग माहीं ।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाही ॥
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी ।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ॥
जो संपत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही।
सो संपदा -विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही ॥
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो ।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करै कृपानिधि तेरो ॥१॥

१ ‘ऐसो को उदार जग माहीं ‘ - पंक्ति के आधार पर किसकी उदारता की बात की जा रही है ? उनकी उदारता की क्या विशेषताएं हैं ? [2]

तुलसीदास जी ने अपने आराध्य देव श्री राम की महिमा का गुणगान किया है । वे कहते हैं कि इस संसार में श्री राम के समान अन्य कोई उदार नहीं है । वे कहते हैं कि इस संसार में श्रीराम के अतिरिक्त कोई दूसरा ऐसा नहीं है जो दीन-दुखियों पर बिना सेवा किए ही दया करता हो ।

२ गीध और शबरी कौन थे ? राम ने उन्हें कब और कौन सी गति प्रदान की ? [2]

गीध से कवि का संकेत गिद्धराज जटायु से है । शबरी एक बनवासी जाति की महिला थी । श्री राम ने गीध और जटायु को वह परमगति प्रदान की , जो गति बडे-बडे मुनियों को योग और वैराग्य जैसे अनेक यत्न करने पर भी प्राप्त नहीं होती ।

३ रावण ने कौन सी संपत्ति किससे तथा किस प्रकार प्राप्त की थी ? वह संपत्ति विभीषण को देते समय राम के हृदय में कौन सा भाव था ? [3]

रावण ने अपने दस सिर शिवजी को अर्पित करने के बाद लंका की संपत्ति प्राप्त की थी , परंतु श्री राम ने उसी संपत्ति को अत्यंत संकोच के साथ विभीषण को प्रदान कर दिया ।

४ तुलसीदास जी सब प्रकार के सुख प्राप्त करने के लिए किसका भजन करने को कह रहे हैं ? [3]

तुलसीदास जी कहते हैं कि हे मन! यदि तू सब प्रकार के सुख प्राप्त करना चाहता है , तो उन सभी की प्राप्ति राम कृपा से ही संभव है , इसलिए तू राम का भजन कर । श्री राम कृपा के सागर हैं , वे ही हमारी सभी प्रकार की इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं ।

Question 10. Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

किंतु यह हुआ अचानक ध्यान
दीन हूँ , छोटी हूँ , अज्ञान ।
मातृ-मंदिर का दुर्गम मार्ग
तुम्हीं बतला दो हे भगवान ॥
मार्ग के बाधक पहरेदार
सुना है ऊँचे-से सोपान
फ़िसलते हैं ये दुर्बल पैर
चढा दो मुझको हे भगवान॥

१ कवयित्री को अचानक क्या ध्यान आया ? उसने भगवान से क्या प्रार्थना की ? [2]

कवयित्री की यह इच्छा है कि वह भारत माता के मंदिर में जाकर उनके दर्शन करे , उन्हें अपना दुख-दर्द सुनाए , परंतु तभी उसे अपनी दुर्बलता तथा छोटेपन का एहसास होता है । वह सोचती है कि वह दीन , छोटी तथा ज्ञान से रहित है साथ ही मंदिर तक पहुँचने का रास्ता भी अत्यंत दुर्गम है , इसलिए कवयित्री भगवान से प्रार्थना करती है कि वे उसे वहाँ तक पहुँचने का मार्ग बताएँ ।

२ मार्ग के बाधक पहरेदार - से कवयित्री का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए । [2]

मार्ग के बाधक पहरेदार से कवयित्री का तात्पर्य उन पहरेदारों (विदेशी शासकों) से है जो हर समय पहरा देते हैं जिसके कारण मातृ मंदिर में प्रवेश पाना असंभव है ।

३ कवयित्री ने मातृ मंदिर के मार्ग को दुर्गम क्यों कहा है ? वह भगवान से क्या प्रार्थना करती है ? [3]

कवयित्री ने मातृ मंदिर के मार्ग को दुर्गम कहा है क्योंकि मार्ग में विदेशी शासक रूपी अनेक पहरेदार हैं जो बाधा उत्पन्न करते हैं । वह भगवान से सहायता की प्रार्थना करती है कि वह उसे मातृ मंदिर की ऊँची-ऊँची सीढ़ियों पर चढ़ने की शक्ति प्रदान करे ।

४ शब्दार्थ लिखिए - [3]

दीन , दुर्गम, बाधक , सोपान , मार्ग , दुर्बल

दीन- गरीब , दुर्गम - जहाँ पहुँचना कठिन हो , बाधक- रोकने वाला ,
सोपान - सीढ़ी , मार्ग- रास्ता , दुर्बल - कमजोर

[**नया रास्ता - सुषमा अग्रवाल**]
[**Naya Rasta- Sushma Agarwal**]

Question 11.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के हृदय में हीन भावना के कारण जो दुख के भाव थे , खुशी में परिवर्तित हो गये । प्रथम श्रेणी में पास होने पर फूली न समाई ।

१ मीनू के हृदय में हीन भावना ने क्यों स्थान बना लिया था ? [2]

मीनू एक साधारण कद-काठी और साधारण रूप की लडकी है । उसकी तुलना में उसकी छोटी बहन आशाऔर उसकी सहेली नीलिमा कहीं अधिक सुंदर हैं । अधिक सुंदर न होने के कारण उसे अनेक लड़कों ने विवाह के लिए अस्वीकार कर दिया था । इस कारण मीनू के हृदय में हीन भावना घर कर गयी थी ।

२ मीनू को अपने परीक्षा परिणाम की सूचना कहाँ मिली ? [2]

मीनू अपनी सहेली नीलिमा के घर गयी थी जहाँ नीलिमा का भाई रोहित अखबार लेकर आया था जिसमें परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ था ।

३ नीलिमा और मीनू के बीच क्या संबंध थे ? मीनू नीलिमा को किस बात की सूचना देने आई थी और क्यों ?[3]

नीलिमा और मीनू अच्छी सहेलियाँ हैं । मीनू के विवाह के लिए मेरठ से एक रिश्ता आया था। मेरठ वालों को मीनू का फ़ोटो पसंद आया था और वे उसे देखने के लिए आने वाले थे । मीनू इस बात से बहुत खुश थी और अपनी खुशी नीलिमा के साथ बाँटने आयी थी ।

४ मीनू के मन में पुनः प्रसन्नता के भाव कब जागे ? [3]

मीनू को उसके साधारण रूप रंग के कारण अनेक लड़कों ने नापसंद कर दिया था । इस बार मेरठ वालों को उसका फ़ोटो तो पसंद आया था लेकिन क्या इसकी परिणति विवाह के लिए स्वीकृति में होगी , इस बात को लेकर मीनू के मन में आशंका थी । जीवन के पूर्व अनुभवों ने उसे पुनः उदास कर दिया था । लेकिन जब रोहित परीक्षाफ़ल का अखबार लेकर आया और मीनू को ज्ञात हुआ कि वह प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है तब उसके मन में पुनः प्रसन्नता के भाव जागे ।

Question 12.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

हमारे भारतीय समाज में क्या नारी सदैव पुरुषों की दासी बनकर ही रहेगी ? क्या हर लड़की अपने माता-पिता के लिए अभिशाप बनकर रह जाएगी ? क्या लड़की को यह भी अधिकार नहीं है कि वह अपना जीवन अपने ढंग से व्यतीत कर सके ?

१ उपर्युक्त प्रश्न किसके मन में उठ रहे हैं और क्यों ? [2]

उपर्युक्त प्रश्न मीनू के मन में उठ रहे हैं । मीनू एक पढी-लिखी लडकी होने के साथ-साथ भावुक और संवेदनशील भी थी । उसके जीवन में घटी घटनाओं ने उसके मन को आहत कर दिया था । उसे कई लड़के वालों ने नापसंद कर दिया था । उसे लगने लगा था कि वह केवल एक सजावट की वस्तु है । जिसे लोग पसंद या नापसंद कर सकते थे । उसे लगने लगा था कि लड़की होने के कारण वह अपने माता-पिता पर बोझ बन गयी है ।

२ क्या मीनू का इस प्रकार सोचना सही है ? अपने विचार लिखिए । [2]

मीनू ने जीवन के प्रारंभिक दिनों मे ही जिस प्रकार की अस्वीकृति को झेला था , उसने उसे न सिर्फ़ आहत किया था बल्कि अपमानित भी । उसका साधारण रूप-रंग उसकी प्रतिभा पर हावी हो गया था । वह स्वयं को अपने माता-पिता के दुख का कारण समझने लगी थी । समाज के क्रूर व्यवहार ने उसे इस प्रकार सोचने पर मजबूर कर दिया था ।

३ मीनू एक सकारात्मक सोच वाली साहसी लडकी है - सिद्ध कीजिए । [3]

समाज के क्रूर व्यवहार ने मीनू के मन में नकारात्मकता भर दी थी । वह अपने को हीन मानने लगी थी । लेकिन उसने हार न मानी और स्वयं को टूटने से बचाया । वह निश्चय कर लेती है कि किसी को भी उसका अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है । वह विवाह न कर अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेती है । उतार-चढाव तो हर किसी के जीवन में आते ही रहते हैं । जीवन में साहस से काम लेने से सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है । इस प्रकार सोचकर वह अपने मन को प्रोत्साहित करती है और जीवन में एक प्रसिद्ध वकील बनने का संकल्प लेती है ।

४ समाज की ऐसी सोच को दूर करने के लिए कौन से कदम उठाए जा सकते हैं ? [3]

सबसे पहले लडका-लडकी के भेदभाव को दूर करना होगा । यह शुरुआत हर घर से ही होनी चाहिए जहाँ लड़का-लड़की को समान अवसर उपलब्ध कराए जाएँ । लड़कियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयत्न होना चाहिए । समाज को रूप-रंग , काले-गोरे के भेदभाव से बाहर आना होगा तभी लड़कियों में अपनी प्रतिभा के प्रति विश्वास जागेगा और वे हीन भावना से ग्रसित न होंगी ।

Question 13.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पिताजी कुछ ही घंटों की रौनक के लिए आप दस हजार रुपयों की बरबादी क्यों कर रहे हैं ?

१ यहाँ दस हजार रुपये कौन किस उपलक्ष्य में खर्च करने जा रहा है ? [2]

मीनू का विवाह अमित के साथ होना तय हुआ था । विवाह के लिए पंडाल की सजावट में मीनू के पिताजी ने दस हजार रुपये में बात पक्की की थी ।

२ मीनू ने सजावट के खर्चे को रुपये की बरबादी क्यों कहा है ? इससे उसके स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ? [2]

मीनू एक पढी-लिखी समझदार लड़की है । वह विवाह में किए जाने वाले अनावश्यक खर्चे को अनुचित मानती है । पंडाल की सजावट बस कुछ समय की दिखावट थी जिससे किसी को कुछ न मिलता । वह एक सादगी पसंद लड़की है जिसका विश्वास है कि मेहनत से कमाए गये पैसों का उपयोग किसी अच्छे कार्य में होना चाहिए ।

३ मीनू ने अपने पिताजी को क्या सुझाव दिया ? क्या उसका सुझाव माना गया ? [3]

मीनू के हृदय में बचपन से ही अपंगों के लिए दया-भावना थी । जब उसने अपंग मनोहर को देखा तो उसे लगा कि उसे मनोहर की सहायता करनी चाहिए । उसने अपने पिताजी को सुझाव दिया कि पंडाल की सजावट के लिए रखे दस हजार रुपयों में से पाँच हजार देकर मनोहर के लिए एक पान की दुकान खुलवा दी जा सकती है। पिताजी ने उसका सुझाव स्वीकार कर लिया । उन्हें अपनी उदार चरित्र बेटी पर गर्व था ।

४ मीनू का चरित्र उन सभी लड़कियों के लिए एक प्रेरणा है जो समाज के दकियानूसी विचारों को अस्वीकार कर समाज में अपना स्थान बनाना चाहती हैं - अपने विचार लिखिए । [3]

मीनू एक दृढ़ चरित्र की लड़की है । वह विवाह को अपने जीवन का एकमात्र उद्देश्य नहीं मानती । अनेक लड़कों के द्वारा नापसंद किए जाने पर वह क्षणिक टूटती तो है लेकिन तुरन्त ही जीवन का उद्देश्य निश्चित कर लेती है और अपने जीवन में सफ़ल होती है । हमारे समाज में लड़कियों की शिक्षा को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाता । आज भी समाज लड़कियों के अकेले रहने , नौकरी करने और स्वतंत्र विचारधारा को स्वीकार नहीं करता । ऐसे में मीनू का चरित्र ऐसी लड़कियों के लिए प्रेरणा बन जाता है जो समाज की बेड़ियाँ तोड़कर उड़ने को तैयार हैं ।

एकांकी संचय
Ekanki Sanchay

Question 14.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

1 "धीरे-धीरे सब ठीक हो जायेगा , भैया । माँजी तो ममता की मूर्ति हैं ही , बाबूजी ज़रा जिद्दी स्वभाव के हैं ।"

[बहू की विदा - विनोद रस्तोगी]
[Bahu Ki Vida-Vinod Rastogi]

1 इस अवतरण के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? धीरे-धीरे सब ठीक हो जायेगा से क्या तात्पर्य है? [02]

यह अवतरण कमला अपने भाई प्रमोद से कहती है । कमला अपने भाई से कहती है कि जैसे-जैसे समय बीतेगा जीवनलाल दहेज और शादी में अपमान की बात को भूल जाएँगे ।

2 माँजी को ममता की मूर्ति क्यों कहा गया है ? किस घटना से सिद्ध होता है कि माँजी वास्तव में ममता की मूर्ति हैं ? [02]

माँजी को ममता की मूर्ति कहा गया है क्योंकि वह कमला को अपनी बेटी के जैसे ही मानती है । कम दहेज के कारण जब जीवन लाल कमला को मायके भेजने से इंकार कर देता है तब राजेश्वरी दहेज के पैसे देने को तैयार थी ।

3 जीवनलाल कौन है ? उसकी ज़िद क्या थी ? उसके व्यवहार में आये परिवर्तन का क्या कारण था ? [03]

जीवनलाल राजेश्वरी का पति और कमला का ससुर है । वह एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है । वह एक अहंकारी और धनलोलुप व्यक्ति है । उसकी जिद थी कि कमला की विदा तभी हो सकेगी जब वह दहेज की बकाया रकम देगा । वह प्रमोद के प्रति कटु शब्दों का प्रयोग करता है । वह स्वयं को नाकवाला और प्रमोद को नकटा कहता है । लेकिन, उसकी भी नाक कटती है जब उसकी बेटी की विदाई भी नहीं होती नहीं है क्योंकि उसके ससुराल वाले भी दहेज से खुश नहीं हैं । इस घटना के बाद जीवनलाल के व्यवहार में परिवर्तन आता है ।

4 प्रस्तुत एकांकी में समाज की किस कुप्रथा पर प्रकाश डाला गया है इस कुप्रथा के दुष्परिणामों की चर्चा करते हुए इसके समाधान के लिए कुछ सुझाव दीजिए । [03]

प्रस्तुत एकांकी में समाज में प्रचलित दहेज प्रथा पर प्रकाश डाला गया है । बेटी जन्म के साथ ही माता-पिता उसके विवाह के लिए दहेज की तैयारियों में लग जाते हैं । जहाँ माता-पिता दहेज नहीं दे पाते वहाँ बेटियों को प्रताड़ित किया जाता है । विवाह जैसा पवित्र संस्कार व्यापार में बदल जाता है ।
इस समस्या के समाधान हेतु दहेज के खिलाफ़ सख्त कानून बनाए जाने चाहिए । लोगों में इसके खिलाफ़ जागरुकता फ़ैलाना चाहिए । स्त्री शिक्षा को बढावा देना और बेटियों आत्मनिर्भर बनाना चहिए ।

Question 15

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे । चारों तरफ़ जहरीले सर्प घूम रहे हैं । किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं ।"

[दीपदान-डॉ रामकुमार वर्मा]

[Deepdan-Dr. Ramkumar Verma]

१ वक्ता कौन है ? श्रोता को रात में अकेले जाने से क्यों मना क्यों किया जा रहा है ? [2]

वक्ता पन्नाधाय है । वह उदयसिंह को रात में अकेले जाने से मना करती है है क्योंकि उसे उदयसिंह के प्राणों का भय है ।

२ जहरीले सर्प से वक्ता का क्या अभिप्राय है ? [2]

जहरीले सर्प से वक्ता का अभिप्राय उदयसिंह का अहित चाहने वालों से है । उदयसिंह चित्तौड़ के भावी शासक हैं जो अभी पन्नाधाय के संरक्षण में है।

३ श्रोता कौन है ? वह वक्ता के पास क्यों आया है ? [3]

श्रोता उदयसिंह है । वह तुलजा भवानी के सामने आयोजित दीपदान को देखकर आया है । वह पन्ना धाय के भी अपने साथ ले जाना चाहता है । वह चाहता है कि पन्ना धाय भी दीपदान करती लड़कियों का नृत्य-गान देखे ।

४ दीपदान एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । [3]

पाठकों में देशप्रेम और कर्त्तव्य की भावना जगाना । मानवता , त्याग और सेवा की भावना जगाना ।

Question 16.

Read the extract given below and answer in Hindi questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं कहा करता हूँ न बेटा कि एक बार वृक्ष से जो डाली टूट गई , उसे लाख पानी दो , उसमें वह सरसता न आएगी और हमारा परिवार बरगद के इस महान पेड़ की भाँति है - - -

[सूखी डाली-उपेन्द्रनाथ 'अश्क']

[Sookhi Dali - Upendranath 'Ashk']

१ वक्ता कौन है ? उसके मन में ये विचार किस घटना को देखकर आये ? [2]

वक्ता दादाजी मूलराज हैं । उनका मँझला बेटा उनके पाँव दबा रहा था । बच्चे खेल रहे थे और खेल-खेल में उन्होंने वट वृक्ष की पूरी डाल काटकर आँगन में लगा दी थी और उसे पानी दे रहे थे । इस घटना को देखकर दादाजी के मन उक्त विचार आते हैं ।

२ वक्ता ने अपने परिवार की तुलना बरगद के पेड़ से क्यों की है ? [2]

वक्ता ने अपने परिवार की तुलना बरगद के पेड़ से की है क्यों कि जैसे बरगद के पेड़ की अनेक शाखाएँ होती हैं जो आपस में मजबूती से जुड़ी होती हैं वैसे ही दादाजी के परिवार के सदस्य भी एक दूसरे से मजबूती से जुड़े थे । परिवार के सभी सदस्यों में आत्मीयता थी । जैसे छोटी-बड़ी सभी शाखाएँ पेड़ का हिस्सा होती हैं वैसे ही दादाजी के परिवार के सभी सदस्य परिवार के लिए अहम भूमिका निभाते थे उनमें छोटे-बड़े का भेदभाव न था

३ "एक बार वृक्ष से जो डाली टूट गई , उसे लाख पानी दो , उसमें वह सरसता न आएगी "- इस कथन से वक्ता का क्या आशय है ? [3]

दादा मूलराज कहते हैं कि जिस प्रकार पेड़ से टूटकर अलग हुई डाली कि मिट्टी में लगाकर कितना ही पानी क्यों न दिया जाए वह फ़िर हरी नहीं होती वैसे ही यदि परिवार के सदस्यों में दरार पड जाए तो लाख प्रयत्न के बाद भी परिवार जुड़ नहीं पाता ।

४ सूखी डाली- एकांकी का संदेश लिखिए । [3]

सूझबूझ , समझदारी और दूरदर्शिता से पारिवारिक एकता को बनाए रखा जा सकता है ।

****

Pati's
ICSE ACADEMY

Prepare for ICSE CLASS 10
Hindi

Free Resources

SCAN QR CODE Now

Pati's

ICSE ACADEMY

Scan QR code for Free Access to
500+ Prelim Papers across 20 subjects